not. (*Interruptions*) I disallow it. Yes. Shrimati Ram Dulari Sinha. (*Interruptions*) No, no, I do not allow it.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I am on a point of order. (*Interruptions*).

MR. SPEAKER: I do not allow point of order during the Question Hour There is no question of any point of order during Question Hour.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: I am raising a point of order.

MR. SPEAKER: Suspension of rules: Rule 388 says, "Any member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended in its application to a particular motion before the House and if the motion is carried the rule in question shall be suspended for the time being." I have not allowed that. So, there is no question....

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Have you read that out? We want to adjourn the House. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: No, no, there is no question of point of order during Question Hour. (*Interruptions*) Why are you trying to do it? I have to do it. (*Interruptions*) No, no, during Question Hour, it is not allowed. Now you are speaking without my permission. I have not allowed. Yes. Shrimati Ram Dulari Sinha. (*Interruptions*) If you are going to show like that, does it make any difference? (*Interruptions*) I could not expect this thing from a parliamentarian of your stature. (*Interruptions*) I have discussed it so many times in this House (*Interruptions*) Shrimat Ram Dulari Sinha. (*Interruptions*) Not allowed. Mr. Jain.

Proposal to Set up a Radio Station in Barmer

*328. SHRI VIRDHI CHANDER JAIN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether a proposal to set up a radio station in Barmer city, the headquarters of Barmer District, for the benefit of the public of Barmer and Jaisalmer, border districts of Rajasthan has been under the consideration of Government for a long time and if so, since when it has been under consideration; and

(b) the time by which decision will be taken on this proposal and the work to set up the station will be started?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती राम दुलारी सिन्हा) : (क) और (ख). राजस्थान में बाड़मेर और जैसलमेर में आकाशवाणी केन्द्रों की स्थापना के प्रस्ताव पर 5वीं "योजना" के प्रस्तावों तथा 1980–85 की अवधि की योजना के प्रस्तावो को तैयार करते समय विचार किया गया था । तथापि, संसाधनो के अभाव और सापेक्ष प्राथमिकताओं के कारण दोनो अवसरों पर उक्त प्रस्ताव को छोड़ देना पड़ा ।

श्री बुद्धि चन्द्र जैन : बाड़मेर तथा जैसलमेर के लोगो के लिए एक रेडियो स्टेशन स्थापित करने का पांचवी योजना में प्रोपोजल था लेकिन उसको ड्राप कर दिया गया । छठी योजना में भी यह प्रोपोजल था और उसको भी ड्राप कर दिया गया। मै जानना चाहता हूं कि बाडमेर एवं जैसलमेर जिले जो पश्चिमी क्षेत्र के सीमावर्ती तथा पिछड़े हुए जिले हैं और बहुत ही विस्तृत है और जो हरियाणा प्रान्त तथा केरल प्रान्त से भी बड़े है उनकी इस प्रकार से कब तक घोर उपेक्षा होती रहेगी ?

श्रीमती राम दुलारी सिन्हा : मैंने जवाब दिया है कि पांचवी योजना और छठी योजना को तैयार करते समय इन दोनो जिलों के लिए आकाशवाणी का केन्द्र खोलने का विचार किया गया था लेकिन संसाधनों के अभाव के कारण ऐसा करना संभव नहीं हो सका है । मै माननीय सदस्य को यह भी बताना चाहती हूं कि 1971 की सेंसस के मुताबिक बाडमेर की जनसंख्या कुल 39 हजार थी और जैसलमेर की 17 हजार, इसलिए यहां पर आकाशवाणी का केन्द्र खोलना फीजिबल मालूम नही होता ।

श्री बुद्धि चन्द्र जैन : बाड़मेर के टाउन की संख्या 50 हजार से अधिक अभी हो गई है । इन क्षेत्रों जयपुर, जोधपुर और दिल्ली के स्टेशनों की आवाज बिल्कुल धीमी पहुंचती है और जब आंधी आती है तो बिल्कुल ही नही पहुंचती है । युद्ध के समय में तो स्थिति और भी खराब होती है, पाकिस्तान की आवाज अधिक आती है, यहां की नहीं पहुंचती है । ऐसी स्थिति में जब कि यह हरियाणा और केरल से भी बड़ा क्षेत्र है तो

इसको प्रवहेलना सिर्फ फंड्ज की कमी की वजह से क्यों की जाती है ? क्या फंड्ज की कमी की वजह से सिर्फ हमारे क्षेत्र में ही डिफिकल्टी आयेगी, क्या हमारा क्षेत्र किसी भी तरह से विकसित नहीं हो सकेगा ? हम चाहते हैं कि पहले बाड़मेर को ले लिजिए फिर जैसलमेर को ली जिए। पहले ही जनता पार्टी की सरकार ने कुछ नहीं किया, अब कांग्रेस (आई) की सरकार भी वहां कुछ काम क्यों नहीं करना चाहती है ? आप हमारे विकास को क्यों अवरूद्ध करना चाहते हैं ?

श्रीमती रामदुलारी सिन्हा : जहां चार वार्डर डिस्ट्रिक्ट हैं बाड़मेर, गंगानगर, बीकानेर और जैसलमेर तो बीकानेर में आलरेडी रेडियो स्टेशन चालू है । गंगानगर के सूरतगढ़ क्षेत्र में तुरन्त ही आकाशवाणी का केन्द्र कमीशन्ड होने वाला है । जैसलमेर और बाड़मेर का जहां तक सवाल है तो इसका ईस्टर्न पार्ट जोधपुर के केन्द्र से कवर्ड हो जाता है । जहां तक पूरे क्षेत्र कवर्ड होने का सवाल है—

"A proposal for setting up a 50 kw shortwave transmitter at Jaipur has been included in the revised 6th plan 1980—85. This shortwave transmitter will be able to provide day and night second grade service to the whole of Rajasthan including border districts of the state. Implementation of this scheme however depends upon final approval and availability of resources."

यह सब इम्पलीमेंट होने के बाद मैं समझती हूं कि माननीय सदस्य की जो मंशा है, उनकी पूर्ति हो जाती है ।

श्री मूलचन्द डागा : आकाशवाणी केन्द्र खोलने के क्या आधार हैं ? आपने जो उत्तर दिया है, उसमें आपने यह मालूम किया है कि बाड़मेर की सीमा कितनी है । वह सीमा केरल और हरियाणा से भी अधिक है और सीमावर्ती इलाका होने व पाकिस्तान का वार्डर होने के कारण इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आर्थिक साधन ही नहीं और भी कारणों से आप रेडियो स्टेशन स्थापित करते हैं । उन कारणों को ध्यान में रखते हुए क्यों नहीं खोलना चाहते हैं ?

श्रीमती रामदुलारी सिन्हा : मैंने पहले ही बताया कि जयपुर का जो 50 किलोवाट का शार्टवेव ट्रांसमीटर चालू हो जायेगा तो तमाम वार्डर एरिया कवर हो जाते हैं । इसलिये सवाल नहीं उठता है कि बाड़मेर और जैसलमेर में ही रेडियो स्टेशन खोला जाये । क्योंकि आलरेडी जो 4 डिस्ट्रिक्ट वार्डर स्टेट के हैं, उसमें गंगानगर जिले के सूरतगढ़ में अभी कमीशन्ड होने जा रहा है, बीकानेर में पहले से है । इसके अतिरिक्त —

"Three is a proposal to upgrade the transmitting power of Ajmer station from the present level of 20 kw to 200 kw during the 6th plan. Actual implementation is dependent upon the availability of funds. Kota is also being considered for settig up a district level radio station."

जब इतने हमारे प्लान इम्पलीमेंट हो जाते हैं तो इस का कोई सवाल ही नहीं उठता है ।

Utilisation of Gypsum Discharge from Cochin Division of Fertiliser Chemicals Travancore Limited

*429. SHRI A. A. RAHIM: Will the Minister of PETROLEUM AND CHEMICALS be pleased to state:

(a) steps taken by Government to put to better use large gypsum discharged from Cochin Division of Fertiliser Chemicals Travancore Limited for manufacturing ammonium sulphate which is very much needed as a fertilizer;

(b) whether Government also propose to take steps to use the calcium carbonate bye-product, arising out of the above process of making gypsum into ammonium sulphate, for producing cement; and

(c) whether any steps have been taken to set up such a plant?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) Fertilizers and Shemcals Travancore Ltd. (FACT) had submitted to Government in August 1978 a proposal for the manufacture of ammonium sulphate based on the by-product gypsum of the Phosphoric acid plant of their Cochin Phase II unit. The proposal was examined by Government but was not found acceptable on techno-economic grounds. The views of the Government have been communicated to the company, and the company has been asked to come up with viable proposals after taking into account Government's views.